Crimes in Delhi

*737. **Dr. Ram Subhag Singh:**
Shri A. M. Tariq:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Assar:
Shri D. C. Sharma:
Shri Punnoose:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Ram Garib:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Tangamani:
Shri P. C. Borooah:
Shri Madhusudan Rao:
Shri Sarju Pandey:
Shri Shiv Datt Upadhayaya

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government have assessed the causes of recent increase in crimes in Delhi;

(b) if so, wha are the chief causes; and

(c) what precautionary measures have been or are being taken to eliminate them?

The Minister of Home Affairs (Shri G. B. Pant): (a) to (c). There is no increase in crime in Delhi. Special measures have however been introduced for reducing crime to the maximum extent possible. A control room has been set up. Besides patrolling on foot and cycles, mobile vans are also constantly moving about. Special police squads have also been organised for specific purposes.

बाल साहित्य

६२. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बाल साहित्य की पुस्तकों के लिये पुरस्कार देने के लिये क्या तरीका अपनाया गया है; और

(ख) चतुर्थ पुरस्कार प्रतियोगिता के लिये अब तक कितनी पुस्तकें प्राप्त हुई हैं ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली): (क) और (ख). विवरण लोक सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) पुरस्कार प्रतियोगिता योजना के अन्तर्गत हिन्दी, उर्दू और सिन्धी की रचनाएं तो सीधी शिक्षा मंत्रालय में ही स्वीकार की जाती हैं और क्षेत्रीय भाषाओं की रचनाएं सम्बन्धित राज्य सरकार द्वारा । प्रतियोगिता के अन्तर्गत स्वीकृत प्रत्येक रचना की परीक्षा तीन स्वतंत्र समीक्षकों की मंडली द्वारा की जाती हैं । राज्य सरकारों और साहित्यक अकादमी की सिफारिशों के अनुसार शिक्षा मंत्रालय ने विभिन्न भाषाओं के लिए अलग अलग समीक्षक मंडलियां नियुक्त की हैं । सभी भाषाओं की रचनाओं की परीक्षा सामान्यतया दो बारियों में की जाती है—प्राथमिक रूप से और अन्तिम रूप से पर यदि किसी विशिष्ट भाषा की प्रतियोगी रचनाओं की संख्या १५ से कम हो तो एक ही बारी में परीक्षा होती है । समीक्षकों द्वारा सर्वोत्तम मानी जाने वाली पुस्तकें तथा उनकी मूल्यांकन रिपोर्ट बाल-साहित्य-समिति को पेश की जाती

(ख) चतुर्थ पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन १९५८-५९ में किया गया जिसमें प्राप्त रचनाओं की संख्या इस प्रकार है :—

१. असमी	३१
२. बंगाली	१३१
३. गुजराती	१०५
४. हिन्दी	२०८
५. कन्नड़	२३
६. काश्मीरी	एक भी नहीं
७. मलयालम	२७
८. मराठी	११५
९. उड़िया	९
१०. पंजाबी	५
११. सिन्धी	४
१२. तामिल	२४
१३. तेलुगू	३२
१४. उर्दू	१९